भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2704

गुरुवार, 23 मार्च, 2023/2 चैत्र, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

देश का पर्यटन क्षेत्र और जी20 शिखर सम्मेलन

2704. डा. सोनल मानसिंहः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रस्तावित जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए देश के पर्यटन क्षेत्र की तैयारियों के संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ख) जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए चिह्नित किए गए प्रमुख पर्यटन केंद्रों का ब्यौरा क्या है;

(ग) 'धर्मशाला घोषणा' के लक्ष्य और उद्देश्य क्या है; और

(घ) क्या सरकार की जी-20 शिखर सम्मेलन का देश को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के एक अवसर के रूप में उपयोग करने की योजना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): भारत देश-भर के 55 चुनिंदा शहरों में 200 से अधिक बैठकों की मेज़बानी कर रहा है। यह सभी शहर इन बैठकों की मेज़बानी के लिए तैयार हैं। जी20 बैठकों के लिए इन शहरों में अवसंरचना का संवर्धन और उन्नयन किया जा रहा है।

इन बैठकों के पूर्वाभ्यासों में पर्यटन संबंधी पेशकशों को दर्शाया जा रहा है। निकटवर्ती पर्यटक आकर्षणों में प्रतिनिधि मंडलों के दौरे भी आयोजित किए जा रहे हैं।

इन गंतव्यों में टूर गाइडों, टैक्सी चालकों, होटल मालिकों, यात्रा एजेंटों और अन्य हितधारकों को व्यवहार संबंधी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व के पुरातत्व स्मारकों, विरासत स्थलों का नवीकरण तथा उन्नयन किया जा रहा है।

(ख): इस उद्घोषणा में अगले दस वर्षों के लिए पर्यटन उद्योग हेतु फोकस के पाँच प्रमुख क्षेत्रों को चिह्नित किया गया है। ये हैं:

- हरित पर्यटन
- डिजिटल पर्यटन
- गंतव्य प्रबंधन
- आतिथ्य क्षेत्र को कौशल प्रशिक्षण देना
- पर्यटन संबंधी एमएसएमई को सहायता देना
- इसका लक्ष्य महामारी के प्रतिकूल प्रभावों से भारत को मुक्त करना और अल्पकाल में वर्ष 2024 तक भारत के पर्यटन क्षेत्र को महामारी से पहले के स्तर तक ले जाना है।
- इसका लक्ष्य आगामी जी-20 बैठक में भारत को प्रमुख पर्यटक गंतव्य के रूप में स्थापित करना भी है। इसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य का भी उल्लेख होगा।
- इसमें वीज़ा सुधार, यात्रा की सुगमता, यात्रा अनुकूल आप्रवासन सुविधाएं और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए खुलापन सहित आवश्यक हस्तक्षेप करने के प्रति वचनबद्धता व्यक्त की है।
- इसमें बताया गया है कि पर्यटकों को भारत की ओर आकर्षित करने के लिए भारत के सांस्कृतिक और वास्तुकला सौंदर्य तथा प्राकृतिक परिवेश पर बल दिया जाएगा।
- इसमें सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और विरासत पर्यटन, हिमालयी राज्यों में पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन आदि जैसे पर्यटन के विभिन्न आयामों को दर्शाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है।

(ग): जी20 से संबंधित बैठकों के लिए चिह्नित प्रमुख पर्यटन हब कच्छ का रन, सिलीगुड़ी/दार्जिलिंग, गोवा, अगरतला, आगरा, आइजोल, अमृतसर, औरंगाबाद, बंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, कोयम्बतूर, दिल्ली, दीमापुर, दीव, गाँधीनगर/अहमदाबाद, गंगटोक, गुवाहाटी, हम्पी, हैदराबाद, इम्फाल, इंदौर, ईटानगर, जयपुर, जोधपुर, कावारत्ती, केवड़िया, खजुराहो, कोच्ची, कोलकाता, लेह, लखनऊ, महाबलीपुरम, मुंबई, मैसूरू, पटना, पोर्ट ब्लेयर, पुदुचेरी, ऋषिकेश, शिलॉग, शिमला, श्रीनगर, सूरत, तिरुवनंतपुरम, उदयपुर, वाराणसी और विशाखापटनम हैं।

(घ): पूरे देश में 50 से भी अधिक गंतव्यों में जी20 बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

जी20 बैठकों के लिए इन शहरों में अवसंरचना का संवर्धन और उन्नयन किया जा रहा है।

इन बैठकों के पूर्वाभ्यासों में पर्यटन संबंधी पेशकशों को दर्शाया जा रहा है। निकटवर्ती पर्यटक आकर्षणों में प्रतिनिधि मंडलों के दौरे भी आयोजित किए जा रहे हैं।

यह प्रयास किया जा रहा है कि इन गंतव्यों की यात्रा करने वाले जी20 प्रतिनिधि यहाँ के पर्यटन राजदूत बनकर अपने-अपने देश वापस जाएँ।

जी20 बैठकों के लिए इन मेज़बान शहरों की अवसंरचना का संवर्धन और उन्नयन किया जा रहा है। महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों और सुविधाओं का अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार उन्नयन किया जा रहा है।

*****